संक्षिप्त समाचार

एमसीडी के स्वीमिंग पूल में डूबकर 6 साल के बच्चे की मौत, मां-बाप की इकलौती संतान था तक्ष

नईदिल्ली, 16 जून (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के पीतमपुरा स्थित एमसीडी के स्वीमिंग पूल में डूबने से छह साल के बच्चे की मौत हो गई। मृतक बच्चा अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। वह पहली क्लास का छात्र था। मौर्या एंक्लेव थाना पुलिस ने इस संबंध में लापरवाही से मौत की धारा में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने स्विमिंग पूल संचालकों पर लाइफ गार्ड नहीं होने का आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि छह साल का तक्ष राठी मां और नाना-नानी के साथ हैदरपुर की अम्बेडकर नगर कॉलोनी में रहता था। तक्ष के नाना लक्ष्मण ने बताया कि शुक्रवार सुबह तक्ष स्वीमिंग कॉस्ट्यूम लेकर नीचे के फ्लोर के 14 और 10 वर्षीय दो लड़कों के साथ तैरने गया था। वह अच्छा तैराक था। वह अपने साथ गए दोनों बच्चों और अन्य के साथ स्वीमिंग पूल में तीन फीट की गहराई में तैर रहा था। बच्चों ने बताया कि वे तक्ष के साथ स्वीमिंग पूल का एक चक्कर लगाकर वापस लौट रहे थे। तक्ष भी पीछे-पीछे तैर रहा था, लेकिन जब किनारे पर पहुंचे तो तक्ष वहां नहीं था। उन्होंने शोर मचाया और लाइफ गार्ड को बुलाया। लाइफ गार्ड ने बच्चे को निकाला और स्वीमिंग पूल के पीछे स्थित अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। हादसे की सूचना परिजनों को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद शनिवार को परिजनों को सौंप दिया है। बच्चे के नाना ने आरोप लगाया कि अगर मौके पर लाइफ गार्ड मौजूद होते तो यह हादसा नहीं हुआ होता। उन्होंने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। मां के लिए इकलौता सहारा था ़ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तक्ष की मां कीर्ति एक डांस टीचर हैं, जबकि पिता अजित कुमार निजी कंपनी में काम करते हैं। तक्ष के जन्म के कुछ समय बाद से ही दोनों में विवाद होने लगा और तलाक के लिए मुकदमा चल रहा है। आम आदमी पार्टी ने पीतमपुरा कम्युनिटी सेंटर में छह साल के बच्चे की डूबने से हुई मौत के लिए एमसीडी को जिम्मेदार ठहराया है। विपक्ष नेता अंकुश नारंग ने कहा कि हादसे के वक्त न लाइफ गार्ड था, न सुरक्षा उपकरण। एमसीडी ने निजीकरण तो किया, पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की।

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर एक रनवे बंद, अनेक उड़ानें प्रभावित; 3 महीने होगी दिक्कत

नईदिल्ली, 16 जून (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (आईजीआई) एयरपोर्ट के रनवे संख्या 28/10 पर रविवार से मरम्मत काम शुरू हो गया है। इसके चलते एक रनवे को बंद कर तीन रनवे से उड़ानों का संचालन किया गया। इसकी वजह से 12 अंतराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें रद्द रहीं और 100 से अधिक विमानों ने देरी से उड़ान भरी। दिल्ली एयरपोर्ट पर कुल चार रनवे से विमानों का परिचालन किया जाता है। रनवे संख्या 28/10 पर अप्रैल में मरम्मत का काम शुरू किया गया था, लेकिन हवा की दिशा बदलने से विमानों का परिचालन बहुत अधिक बाधित हो रहा था। इसके चलते मरम्मत कार्य को मई माह के पहले सप्ताह से बंद कर दिया था। अब फिर से मरम्मत कार्य शुरू किया गया है जो 15 सितंबर तक चलेगा। इसे कैट-3 सुविधा से लैस किया जा रहा है, जिससे कम दृश्यता में भी विमानों को उतारा जा सके। रविवार को मरम्मत कार्य शुरू होने के पहले दिन 22 अंतरराष्ट्रीय और 85 घरेलू विमानों ने देरी से उड़ान भरी। इस मरम्मत कार्य के चलते उड़ानों पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी एयरलाइंस ने यात्रियों को ले रहे हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली एयरपोर्ट के रनवे संख्या 28/10 की मरम्मत के काम में लगभग तीन महीने का समय लग सकता है और तब तक यह रनवे बंद रहेगा। यह काम 15 जून से शुरू हुआ है जो 15 सितंबर तक पूरा होगा। इसके चलते लगभग 114 विमानों की उड़ान को विभिन्न एयरलाइंस की ओर से रद्द किया गया है, जबकि लगभग 80 की उड़ान का समय बदला गया है। इसके बावजूद विमानों की उड़ान में देरी देखने को मिल सकती है। एयरपोर्ट प्रशासन की तरफ से यात्रियों को सलाह दी गई है कि वह उड़ान के समय को लेकर एयरलाइंस के संपर्क में रहें। बता दें कि दिल्ली एयरपोर्ट के रनवे संख्या 28/10 पर बीते अप्रैल माह में मरम्मत कार्य किया जा रहा था, लेकिन उस दौरान हवा की दिशा बदलने के चलते विमानों की उड़ान बहुत ज्यादा प्रभावित हो रही थी। एक तरफ जहां विमानों को उतरने में समय लग रहा था तो वहीं दूसरी तरफ इसका असर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले विमानों पर भी पड़ रहा था।

सर्किल रेट में होगा बड़ा बदलाव, जमीन महंगी होगी या सस्ती

नईदिल्ली, 16 जून (एजेंसी)। दुनिया के ज्यादातर देशों में नागरिकों का सपना होता है कि देश की राजधानी में उनका अपना घर हो। भारत में भी दिल्ली-एनसीआर के आसपास रहने वाले और राजधानी में रहकर काम करनेवाले लोगों के मन में अपना घर खरीदने का सपना बना रहता है। ऐसे में लोगों की जमीन और संपत्तियों के दामों में दिलचस्पी बनी रहती है। अब हम दिल्ली की जमीनों के सर्किल रेट को लेकर बड़ा अपडेट लेकर आए हैं। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार जमीन के सर्किल रेट में बड़ा बदलाव करने जा रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में सर्किल रेट में बड़े बदलाव के बाद राजधानी में जमीन खरीदना और महंगा हो जाएगा। आइए जानते हैं क्या चल रहा है। बीते दिनों दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की थी। इस बैठक में रेखा गुप्ता ने निर्देश दिया कि डिविजनल कमिश्नर के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया जाए और दिल्ली के भारी अंतर वाले अलग-अलग इलाकों के

सर्किल रेट की रिपोर्ट पेश की जाए। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के अलग-अलग बाजारों की स्थिति के हिसाब से वहां का सर्किल रेट कितना है, इसकी रिपोर्ट भी पेश की जाएगी। इस रिपोर्ट के बाद दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में सर्किल रेट में बदलाव किया जाएगा और संपत्तियां महंगी होने की संभावना है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता द्वारा की गई इस बैठक में दिल्ली-एनसीआर के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के साथ ही व्यापार को आसान बनाने पर चर्चा की गई। इस बैठक में सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, एमसीडी, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन, सहकारियों समितियों के रजिस्ट्रार और भारतीय उद्योग परिसंघ के कई प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस बैठक में दिल्ली की अनाधिकृत कॉलोनियों के विकास पर भी प्राथमिकता के साथ बात हुई। सीएम रेखा गुप्ता ने डीडीए और शहरी विकास विभाग को इन अनाधिकृत कॉलोनियों और उनके अधिकारों के साथ ही इनके रजिस्ट्रेशन पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के लिए निर्देश दिया है।

किडनैपिंग की झूठी कहानी से लेकर इंटरनेशनल सट्टा का खेल, थाईलैंड-दुबई तक फैले गिरोह का पर्दाफाश

नईदिल्ली, 16 जून (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के कासना कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगवाने वाले गिरोह का रविवार को पर्दाफाश किया। ग्रेनो वेस्ट की दो अलग-अलग सोसाइटी से आठ सटोरियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ऐप के जरिये यह काम करते थे। यह गिरोह थाईलैंड और दुबई से चलाया जा रहा था।

ग्रेटर नोएडा के डीसीपी साद मियां खान ने बताया कि कासना कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने अलवर राजस्थान के दो युवकों के अपहरण की झूठी कहानी की जांच के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सट्टा गिरोह का पर्दाफाश किया। पुलिस टीम ने ग्रेनो वेस्ट की व्हाइट आर्किड और राधा स्काई गार्डन सोसाइटी से आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान भीम, नारायण, ध्रुव, सन्नी, मुकीम, विशाल कुमार, हिमाशु दकान और सुखदेव सिंह के तौर पर हई। सभी मौजूदा समय में राधा स्काई गार्डन और व्हाइट

आर्किड सोसाइटी में रह रहे थे।

आरोपियों के पास से चार लैपटॉप, 26 मोबाइल, 16 सिम, दो रजिस्टर, फर्जी आधार कार्ड, दो चेक बुक, तीन पासबुक और एक पासपोर्ट समेत अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस का दावा है कि गिरोह के सदस्य रुद्रा क्रिकलिव ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे। यह ऐप भारत में प्रतिबंधित है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों से पता चला कि यह लोग ऐप के माध्यम से लाइव क्रिकेट मैच में ओवर के दौरान बनाए जाने वाले रन स्कोर और विकेट पतन व हार जीत आदि को लेकर सट्टा लगाते हैं। ऐप में इनके व्हाट्सएप नंबर चालू रहते हैं। जिन लोगों को सट्टा खेलना होता है, वह इनके द्वारा दिए गए नंबरों पर व्हाट्सएप कॉल करते हैं। इनके द्वारा प्रति व्यक्ति को अलग अलग आईडी प्रदान की जाती है। इसी आईडी के माध्यम से लोग सट्टा खेलते हैं। यह पूरा काम लैपटॉप और मोबाइल फोन के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है। डीसीपी साद मियां खान ने बताया कि इस गिरोह में अकाउंट का काम देखने वाले राजस्थान के रहने वाले भीम ने खुद के अपहरण की एक झूठी कहानी रची थी। दरअसल, कासना पुलिस को 12 जून को सूचना मिली कि दो युवकों का अपहरण कर लिया गया है।

अरावली में बनाए थे अवैध बैंक्वेट हॉल, प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर सब साफ कर दिया

नईदिल्ली, 16 जून (एजेंसी)। अरावली वन क्षेत्र में बने बैंक्वेट हॉल और अवैध निर्माण के खिलाफ चल रही तोड़फोड़ रविवार को भी जारी रही। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक मंत्री और विधायक के अवैध बैंक्वेट हॉल समेत आठ पर वन विभाग का बुलडोजर चला। करीब छह घंटे तक अरावली में तोड़फोड़ चली। तोड़फोड़ के विरोध में अनंगपुर गांव के निवासियों ने सूरजकुंड रोड को जाम कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवा दिया। करीब 20 मिनट रोड जाम रहा।

पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप के बेटे विवेक प्रताप ने विरोध प्रदर्शन करने वालों का समर्थन करते हुए अनंगपुर चौक पर पहुंच गए। यहां उन्होंने तोड़फोड़ पर आपत्ति जताई। अनंगपुर गांव के निवासी तोड़फोड़ को गलत बता रहे थे और इन्होंने तोड़फोड़ की कार्रवाई में भेदभाव बरतने का आरोप भी लगाया। विरोध प्रदर्शन के चलते तोड़फोड़ की कार्रवाई के दोपहर करीब 3ः00 बजे शुरू हो पाई। पांचवें दिन आठ बैंक्वेट हॉल को तोड़ा गया गया। वन विभाग के

एक अधिकारी के मुताबिक, इसमें एक बैंक्वेट हॉल विधायक और बड़े राजनीतिक दल के मंत्री का है। वन विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम गांव अनंगपुर में बने बैंक्वेंट हॉल सहित अन्य अवैध निर्माणों को तोड़ने के लिए सुबह 11ः00 बजे पहुंच गई थी। तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू होती कि इससे पूर्व ही ग्रामीणों ने सूरजकुंड रोड जाम कर दिया।

इस दौरान पुलिस ने लोगों को काफी समझाने का प्रयास किया,लेकिन कोई भी सुनने को तैयार नहीं था। ग्रामीणों ने करीब 20 मिनट तक रोड जाम किए रखा। इस दौरान राहगीरों को काफी परेशानी हुई। काफी वाहन चालक जाम न खुलता देख दूसरे मार्गों से अपनी मंजिल की ओर बढ़ गए। पुलिस के काफी समझाने के बाद सड़क आक्रोशित लोगों ने जाम खोल दिया। वर्ष 2021 में नगर निगम ने खोरी गांव स्थित अपनी जमीन पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की थी। यह कार्रवाई 22 दिनों तक चली थी। तोड़फोड़ से नाराज लोग एक सामाजिक संस्थान के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट चले गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे कराने के आदेश दिए। इसके तहत वन विभाग ने करीब छह हजार अवैध निर्माणों को चिन्हित किया था और तोड़फोड़ क कार्रवाई की जानी थी। वन विभाग को अपनी तोड़फोड़ की कार्रवाई की रिपोर्ट अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट में पेश करनी थी। अप्रैल की रिपोर्ट से सुप्रीम कोर्ट संतुष्ट नहीं था और तोड़फोड़ के लिए तीन महीने का समय देकर दोबारा से रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए थे। इसके तहत पांच दिनों से तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा रही है। अबतक 40 से अधिक अवैध निर्माणों को तोड़ा जा चुका है। ग्रामीणों का आरोप है कि अरावली वन क्षेत्र में कई बड़े नामचीन शिक्षण संस्थान हैं, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। यह प्रशासन के भेदभाव रवैये को दर्शाता है। लोग बार-बार बीच में आकर तोड़फोड़ की कार्रवाई को बाधित करने का प्रयास करते रहे।

इस दौरान पुलिस ने लोगों को बीच से हटाया उसके बाद बैंक्वेट हॉल तोड़े जा सकें। तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान 300 से अधिक पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे। पुलिसबल की मौजूदगी में जब कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया तो उन्हें शांत करा दिया गया।

इजराइल का अब ईरान के विदेश मंत्रालय पर अटैक : अब तक 224 की मौत

ईरान का बैलिस्टिक मिसाइलों से पलटवार- 5 मरे, 67 घायल

तेहरान/तेल अवीव, 16 जून (एजेंसी)। ईरान और इजराइल के बीच चौथे दिन भी लड़ाई जारी है। इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इससे एक दिन पहले इजराइली सेना ने ईरानी रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में अब तक 224 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है।

ईरान ने भी इजराइल पर पलटवार किया है। ईरान ने सोमवार सुबह सेंट्रल इजराइल में 4 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 घायल हुए। अब तक इजराइल में ईरानी हमलों में 20 लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 500 घायल हुए हैं।

इजरायल ने बीते सप्ताह ईरान पर ताबड़तोड़ हमले किए थे। तड़के 3 बजे ही इजरायली मिसाइलें ईरान के परमाणु ठिकानों पर बरसीं और सेना प्रमुख समेत 20 टॉप सैन्य कमांडरों को मार डाला गया। इन हमलों के बाद इजरायल को लगा होगा कि शायद इससे ईरान दहशत में होगा और मजबूत जवाब नहीं दे सकेगा। लेकिन अब तक के हालात से अंदाजा लग रहा है कि शायद इजरायल गलत था। ईरान की भले ही टॉप मिलिट्री लीडरशिप हमले में मारी गई, लेकिन वह जल्दी ही उससे उबरता दिखा है। उसने रविवार रात

को इजरायल पर जमकर हमले बोले। यहां तक कि इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर भी मिसाइलें बरसी हैं। सोमवार सुबह तेल अवीव में बसे इजरायली उठे तो चारों तरफ मलबा था। कई इमारतें जमींदोज हो गईं। चारों तरफ लोग खौफ में दिख रहे हैं और सुरक्षित ठिकानों की तलाश में हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक तेल अवीव में ही ईरान की 4 बलिस्टिक मिसाइलें गिरी हैं। बंकर में छिपी एक महिला ने बताया कि उसने नीचे से ही धमाकों की आवाज महसूस की। यह बहुत तेज थी और मिसाइलों के हमले के चलते इमारतें पल भर में धराशायी हो गईं। महिला ने बताया कि सुबह होने पर जब हम बाहर निकले तो डर रहे थे। हर कोई खौफ में था। यहां तक कि हम मलबे के बीच से होते हुए गुजरे तो लोगों ने नाक बंद कर रखी थी। इसकी वजह यह थी कि हमें डर था कि कहीं हम सांस लेते हुए बारूद ही न अंदर ले जाएं। करीब 10 इजरायलियों को अस्पताल ले जाया गया है और 4 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा कई इमारतें गिरी हैं। इजरायलियों के घायल या हताहत होने की संख्या बढ़ सकती थी।

ईरान-इजरायल संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभा रहे ड्रोन, नई रणनीति से बदल जाएगा युद्ध का तरीका

वाशिंगटन,16 जून (एजेंसी)। पहले रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के दौरान, और अब इजरायल और ईरान के बीच लड़ाई में भी ड्रोन की प्रभावी भूमिका स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। आकार में छोटा, रडार की पकड़ से दूर और शक्तिशाली हमले करने में सक्षम - ये हमलावर ड्रोन आधुनिक युद्ध में एक बेहद प्रभावी हथियार बन गए हैं।

जब दुश्मन के इलाके के बहुत अंदर से ये लांच किए जाते हैं, जैसा कि इस महीने ईरान और रूस में हुआ, तो उनका प्रभाव और भी विनाशकारी होता है। दुश्मन के इलाके के अंदर से हमला करने वाले ड्रोन को रोकना एक सरप्राइज फैक्टर होता है क्योंकि इसमें आधुनिक तकनीक के साथ-साथ एक कुशल सैन्य रणनीति भी शामिल होती है।

घातक ड्रोन बनाना रणनीति का हिस्साः अधिकारियों और हथियार विशेषज्ञों का कहना है कि जासूसी और गुप्त ऑपरेशन लंबे समय से युद्ध का हिस्सा रहे हैं। लेकिन, दुश्मन को हैरत में डालने एवं उनके दांत खट्टे करने के लिए घातक ड्रोन बनाना या तैनात करना युद्ध की निरंतर विकसित होती एक नई रणनीति का ही हिस्सा है।

ऐसा ही मामला दो सप्ताह पहले भी सामने आया था जब 40 से अधिक रूसी युद्धक विमानों को 117 ड्रोनों के झुंड ने निशाना बनाया था। उन्हें यूक्रेन ने महीनों पहले रूस के सैन्य ठिकानों के

पास गुप्त रूप से लगाया था। इनमें से कुछ यूक्रेन से हजारों मील दूर थे। ईरान में भी यही हुआ था। शुक्रवार को ड्रोन और अन्य हथियारों द्वारा उसके मिसाइलों, इंटरसेप्टर और वायु रक्षा प्रणालियों को ध्वस्त कर दिया गया।

इन ड्रोन को इजराइली खुफिया अधिकारी पहले से ही वहां तस्करी करके लाए थे। हालांकि, खुफिया जानकारी जुटाने के तरीकों और गुप्त सूचना के स्त्रोतों की सुरक्षा के दृष्टिगत गुप्त अभियानों को कैसे अंजाम दिया गया, इसके बारे में कई विवरण अभी भी अस्पष्ट हैं। लेकिन, इजरायल के दृष्टिकोण ने उसे ईरान के खिलाफ अपने व्यापक हमले में बढ़त दिलाई।

यूक्रेन जंग में उ कोरिया का नुकसान, गंवाए हजारों सैनिक

मास्को, 16 जून (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग में उत्तर कोरिया की एंट्री ने सबका ध्यान खींचा था। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने दोस्त पुतिन की मदद के लिए हजारों उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस की ओर से लड़ने के लिए भेजा था। अब हाल ही में यह खबर सामने आई है कि उत्तर कोरिया को जंग में भारी नुकसान पहुंचा है। ब्रिटिश डिफेंस इंटेलीजेंस ने हाल ही में दावा किया है कि यूक्रेन में रूसी सेना की ओर से लड़ रहे हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक हताहत हुए हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस यूक्रेन जंग में कम से कम 6000 उत्तर कोरियाई सैनिक या तो मारे गए हैं, या इनमें से कुछ मारे गए और कुछ घायल हुए हैं। बता दें कि किम जोंग अब तक अपने 11 हजार से ज्यादा सैनिकों को रूस भेज चुके हैं। इनमें से आधे सैनिकों के हताहत की होना किम जोंग के लिए अच्छी खबर नहीं है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह आंकड़े साझा किए हैं। इस दौरान यह भी कहा गया है कि किम जोंग ने हाल ही में अन्य सैनिकों को भी रूस भेजा है। बताया गया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को सबसे ज्यादा नुकसान कुर्स्क के रूसी ओब्लास्ट में हुआ है, जहां यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ लड़ते हुए सैंकड़ों सैनिक घायल हो गए। हालांकि इन सब के बीच भी पुतिन को उ कोरिया का पूरा साथ है। किम जोंग ने हाल ही में पुतिन को एक खास संदेश भेजा है। उत्तर कोरिया के तानाशाह ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को एक संदेश में कहा कि उत्तर कोरिया हमेशा रूस के साथ खड़ा रहेगा।

ग्रीनलैंड को बेचा या छीना नहीं जा सकता, ट्रंप की मंशा पर फ्रांस के राष्ट्रपति की दो टूक

नूक (ग्रीनलैंड), 16 जून (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जी7 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए कनाडा जाने से पहले ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंचे। जहां उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने की इच्छा पर दो टूक जवाब दिया। राष्ट्रपति मैक्रों ने जोर देते हुए कहा कि ग्रीनलैंड को ना ही बेचा जा सकता है और न ही छीना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि सीधी बात ये है कि फ्रांस और यूरोपीय संघ के सभी लोग मानते हैं कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है और इसे कोई जबरन नहीं ले सकता। मैक्रों के इस बयान को स्थानीय लोगों ने तालियों से स्वागत किया। बता दें कि जी7 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने से पहले ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंचे मैक्रों का डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन

और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रपति मैक्रों ने आगे कहा कि ग्रीनलैंड की स्थिति यूरोप के लिए एक चेतावनी है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि आप अकेले नहीं हैं। फ्रांस और यूरोप आपके साथ हैं। इसके साथ ही जब मैक्रों से पूछा गया कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप ग्रीनलैंड पर सैन्य कब्जा करने की कोशिश करें तो क्या फ्रांस मदद करेगा? तो इस बात के जवाब में मैक्रों ने इस सवाल से बचते हुए कहा कि मैं सार्वजनिक रूप से इस तरह के काल्पनिक सवालों पर टिप्पणी नहीं करूंगा, क्योंकि मैं नहीं मानता कि हमारा मित्र और सहयोगी अमेरिका किसी दूसरे सहयोगी के खिलाफ आक्रामक कदम उठाएगा। देखा जाए तो इस बयान के जरिए मैक्रों ने अमेरिका को स्पष्ट संकेत दिया है कि यूरोप ग्रीनलैंड को लेकर किसी भी दबाव या दखलअंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल के महीनों में यूरोपीय संघ में फ्रांस की भूमिका को मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। उन्होंने खुद को यूरोप के नेता के तौर पर पेश किया है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन को दिए जा रहे समर्थन पर सवाल उठा रहे हैं। मैक्रों ने हाल ही में पेरिस में एक सम्मेलन बुलाया जिसमें कई यूरोपीय देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में यूक्रेन संकट और यूरोप की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। ग्रीनलैंड की यात्रा के दौरान रविवार को मैक्रों से डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने एक डेनिश हेलिकॉप्टर कैरियर पर मुलाकात की।